५०१/१९५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

**सत्संग शिक्षण परीक्षा** ( पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१२ )

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)

## सत्संग परिचय - १

**सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।** **कुल गुण : ७५**

### विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००९

**प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** [ ९ ]

१. ''हम तो साक्षात् पुरुषोत्तम नारायण हैं ।'' (८५)

२. ''इसलिए अब मैं अन्तर्धान होना चाहता हूँ ।'' (१५८)

३. ''आप संघ के सभी सदस्यों को एक-एक अंजलि भर कर शक्कर दीजिए ।'' (१४९)

**प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में )** [ ६ ]

१. नायक ने श्रीहरि का चरण स्पर्श करके प्रार्थना की । (११५)

२. मि. एन्डरसन ने दादाखाचर एवं मुक्तानन्द स्वामी को महाराज की अच्छी देखभाल रखने को कहा । (१३२)

३. मुक्तानन्द स्वामी के अंत:करण में भ्रम का अंधेरा दूर हो गया । (१८)

**प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । ( वर्णनात्मक )** [ ५ ]

१. श्रीहरि के प्राकट्य के छ: हेतु (११३-११४) २. सदाव्रत की प्रवृत्ति (२२-२३) ३. पठान को निश्चय (५३)

**प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** [ ५ ]

१. श्रीहरि ने परमहंसों को कौन-से नियमों का पालन करने की आज्ञा की ? (९८)

२. मूलजी शर्मा ने साकरबा को यज्ञोपवीत के गीत गाने के लिए क्यों कहा ? (४४)

३. श्रीहरि को हिंसामय यज्ञ में किस का ह्रास हो रहा लगता था ? (४६)

४. वरताल मंदिर निर्माण के समय पर श्रीहरि क्या करते थे ? (१२९)

५. गढ़डा में पुरुषों और स्त्रियों को धर्मदेव और भक्तिमाता का दर्शन क्युं हुआ ? (७२)

**प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही ( ✓ ) का निशान करें ।** [ ४ ]

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।**

१. श्रीजीमहाराज ने लालजी बढ़ई की कौन-सी परीक्षा की ? (३०)

(१) ☐ काशी की यात्रा के लिए भेजा । (२) ☐ गृहस्थ के कपड़ें उतरवाकर साधु के वस्त्र पहनाये ।

(३) ☐ ससुराल से भिक्षा मँगवाई । (४) ☐ साधु के वस्त्र उतरवाकर गृहस्थ के कपड़ें पहनाये ।

२. श्रीजीमहाराज के द्वेषी थे । (४६, ५७)

(१) ☐ जगजीवन मेहता । (२) ☐ मछीयाव के दीवान ।

(३) ☐ अहमदाबाद का सूबेदार । (४) ☐ जूनागढ़ के नवाब ।

**प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।** [ ४ ]

१. श्रीहरि को ..... की रसोई अधिक पसंद आई । (९४)

२. श्रीहरि ने ..... के हरिभक्तों को अक्षरधाम पुरस्कार में दिया । (१४७)

३. महाराज को उदास देखकर ..... स्वामी रोने लगे । (१६०)

४. श्रीहरि ने अपनी एक ओर राजा के और दूसरी ओर ..... के वस्त्र धारण किए । (१२४)

### विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई - २०००

**प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** [ ९ ]

१. ''तुम्हारी जमींदारी को लेकर भावनगर राज्य के साथ काम-काज तो पड़ेगा ही, तब तुम क्या करोगी ?'' (४०)

२. ''यह बालक मेरा है, मैं इसे घर ले जा रहा हूँ ।'' (१२)

३. ''इसलिए कुछ ही दिनों में अच्छे हो जाओगे, चिन्ता मत करो ।'' (५३)

**प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में )** [ ४ ]

१. जीवाखाचर की मन की मन में ही रह गई । (४०-४१)

२. सुतारबाई महाराज को उलाहना देने लगी । (२६)

**( पृष्ठ पलटिये )**

---

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-१**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

**सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में ( बैठक कक्ष में ) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । ( अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी । )**

**प्र.९** 'लाडूबा जीवुबा में सेवा की खींचतान' (४६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । ( वर्णनात्मक )** **[ ५ ]**

**प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** **[ ४ ]**

१. आचार्य अयोध्याप्रसादजी स्वभाव के कैसे थे? (३२)

२. ग्रहण के दिन मूलजी ब्रह्मचारीने सभा में आकर क्या कहा ? (२८)

३. कैसी समझ लोगे तो अक्षरधाम में जा सकोगे ? (६५)

४. दुर्वासा की तरह कौन लाडूबा की सभी रसोई अकेले खा गये? (४७)

**प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए ।** **[ ६ ]**

**विषय : जूनागढ़ में नित्यानंद स्वामी का शास्त्रार्थ । ( ३-४ )**

**१.** महाराज : शास्त्रार्थ होने दीजिए । सभी उत्तर ब्रह्मानंद स्वामी देंगे । **२.** चरणों की पूजा करके हम अपनी दासत्वभक्ति सिद्ध करते हैं । **३.** आत्मनिष्ठा की भक्ति उत्तम प्रकार की भक्ति है । **४.** नरसिंह पंड्या श्रीजीमहाराज से शास्त्रार्थ करने आया । **५.** नरसिंह पंड्या की विद्वत्ता देखकर नवाब प्रसन्न हो गया । **६.** इस शास्त्रार्थ से दूसरे द्वेषी दुम दबा गये । **७.** नवाब : ''खूदा के तो सभी अंग पाक पवित्र हैं ।'' **८.** केवल इनके मुखारविंद की ही पूजा करों, क्यों ? **९.** भगवान बनना हो उसे भागवत पर टीका लिखनी चाहिए । **१०.** नवाब ने नित्यानन्द स्वामी से भगवान के स्वरूप, भक्ति, उपासना की सारी बातें कीं । **११.** नित्यानंद स्वामी ने अपनी प्रतिष्ठा विद्वानों के बीच (में) बहुत बढ़ाई । **१२.** पंड्या : ''भगवान के दूसरे अंगों में माया का वास है ।''

**( १ ) केवल सही क्रमांक** ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

**( २ ) यथार्थ घटनाक्रम** ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

**सूचना : ( १ ) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । ( २ ) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।**

**प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए ।** **[ ४ ]**

**सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।**

**उदाहरण : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी :** सन् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते करते कारण देह का त्याग किया ।

**उत्तर :** **विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी :** सवंत् १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला **अष्टमी** के **दिन** नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री **रघुवीरजी महाराज**, **गोपालानन्द स्वामी**, **शुकमुनि**, **शून्यातीतानंदजी** आदि सन्तों के **देखते - देखते** उन्होंने अपनी **नश्वर** देह **वरताल** में छोड़ दी ।

१. **प्रेमसखी प्रेमानंद :** अभी तो तुम भूज जाओ । सरस्वती के उस पार एक संगीत विद्यालय है । तुम वहाँ जाओ और संगीत सीखो । (१२)

२. **श्रीकृष्णजी अदा :** पूर्णपुरुषोत्तम का ज्ञान जो अभी तक एक कोने में सीमित था, अब बडोदरा तक फैल गया । (७०)

३. **स्वामी जागा भक्त :** महाराज ने कहा, ''कृष्णजी अदा वचनसिद्ध पुरुष हैं ।'' (६१)

४. **भक्तराज दादाखाचर :** जैसे भगवान राम विभिषण का रथ हाँकते थे, इसी प्रकार नृसिंह भगवान प्रह्लाद के रथ को हाँककर माणावदर ले गये । (४३)

## विभाग - ३ : निबंध

**प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए ।** **[ १० ]**

१. योगीजी महाराज : ब्रह्मविद्या की युनिवर्सिटी । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - फरवरी - २०१२)

२. मेरे अन्तर की वीणा की झनकार : विनम्रता । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - दिसम्बर - २०११)

३. प्रमुखस्वामी महाराज का युगकार्य : अक्षरधाम । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - जुलाई - २०११)

❊ ❊ ❊

**सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २०१२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।**

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

**http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/**